01-12-2023

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने जारी किया एनएसआई का मैनुअल

कानपुर (नगर छाया समाचार)। मिलों को दुर्घटना रहित, दक्षता सहित चलाने के लिए चीनी मिलों के कुशल संचालन पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा तैयार किए गए मैनुअल कोआज संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहनद्वारा जारी किया गया।इस अवसर परशर्करा प्रौद्योगिकी और शर्करा अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीनी उद्योग में मानव और मशीन की विफलताओं के कारण कुछ गंभीर दुर्घटनाएँ देखी गई हैं। प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और ऑपरेटिंग स्टाफ को ÷मानक संचालन प्रक्रियाओं÷ के बारे में उचित ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहाकि इससे पूर्व कोई विस्तृत मैनुअल उपलब्ध नहीं थाइसलिए हमने गन्ने से लेकर चीनी भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव की मानक स्थितियों का वर्णन किया है। इस मैनुअल से चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और किसी भी दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी।

श्रीमती मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कहा क्योंकि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरतऑपरेटर हिंदी समझते हैंइसलिए मैनुअल शुरू में हिंदी में तैयार किया गया हैकिंतु महाराष्ट्र और कर्नाटक में बड़ी संख्या में चीनी इकाइयां होने के कारण मैनुअल के मराठी और कन्नड़ संस्करण भी प्रकाशित किए जाएंगे।

श्री जितेन्द्र सिंह, सलाहकार ने मैनुअल को प्रकाशित करने में किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ, यू.पी.शुगर फैक्ट्रीज़ फेडरेशन लिमिटेड कोविशेष रूप से धन्यवाद दिया।

मैनुअल से चीनी उद्योग को कामकाज में सुधार के साथ दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता
मनी वर्मा

मिलों को दुर्घटना रहित, दक्षता सहित चलाने के लिए चीनी मिलों के कुशल संचालनङ पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा तैयार किए गए मैनुअल को आज संस्थान के निर्देशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर शर्करा प्रौद्योगिकी और शर्करा अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीनी उद्योग में मानव और मशीन की विफलताओं के कारण कुछ गंभीर दुर्घटनाएँ देखी गई हैं प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और ऑपरेटिंग स्टाफ को हमानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में उचित ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इससे कोई विस्तृत मैनुअल उपलब्ध नहीं था इसलिए हमने गन्ने से लेकर चीनी भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव की मानक स्थितियों का वर्णन किया है। इस मैनुअल से चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और किसी भी दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी। मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कहा क्योंकि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरत ऑपरेटर हिंदी समझते हैं इसलिए मैनुअल शुरू में हिंदी में तैयार किया गया है किंतु महाराष्ट्र और कर्नाटक में बड़ी संख्या में चीनी इकाइयां होने के कारण मैनुअल के मराठी और कन्नड़ संस्करण भी प्रकाशित किए जाएंगे। जितेन्द्र सिंह, सलाहकार ने मैनुअल को प्रकाशित करने में किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कर्मचारियों के साथ- साथ, यू.पी. शुगर फैक्ट्रीज़ फेडरेशन लिमिटेड को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

the pioneer
LUCKNOW | FRIDAY | DECEMBER 1, 2023

Manual for efficient operations in sugar factories released

Director NSI, Prof Narendra Mohan releasing the sugar factories manual on Thursday.

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director of the National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan while releasing the sugar factories manual "Efficient operations of sugar factories" on Thursday said this manual was meant to facilitate accident free and efficient operations in sugar factories. He said during the last couple of years, sugar industry had seen few serious accidents due to man and machine failures. He said in view of fast change of technology and operating staff required to have proper knowledge about standard operating procedures it has become highly essential to set up certain parameters. He said as there is no comprehensive manual available, the NSI worked on developing the same from sugarcane unloading to sugar storage and it was going to help sugar industry in improving its working and avoiding any mishaps.

Assistant Director Rajbhasha Mallika Dwivedi said in most of sugar factories operators employed understand Hindi thus the manual had been prepared initially in Hindi but as NSI had large number of sugar units in Maharashtra and Karnataka, its versions in Marathi and Kannada will follow soon. Consultant Jitendra Singh extended thanks particularly to UP Sugar Factories Federation Ltd. and staff of NSI in general for their efforts in bringing out the publication.

He informed that equipment used in the manufacture of sugar must meet certain requirements in order to promote a healthy work environment and must be equipped with easily accessible and identifiable emergency stop devices. He said another safety measure important was containment of certain handling stations as essential when dealing with combustible materials upkeep and maintenance of machines and safety and protection from major fires. He said installation of explosion detection sensors in material receiving, handling, storage and shipping areas was also essential.

SUICIDE: A woman committed suicide by hanging herself in the varandah of her house in the Purwa police station area of Unnao on Wednesday. At the time of incident other family members were not present. Reports received here said that when her mother Jamuna returned from the field around 5 pm she found doors locked from inside. On entering the house through the neighbour's rooftop, she found her daughter hanging and fell unconscious. Her kin could not tell the cause of incident to the police. Brij Kumar of Chandigarhi, Purwa Kotwali, Unnao, along with son had gone to meet a relative on Wednesday while his wife Jamuna to the field. His daughter Ritu (24) was alone in the house. When mother Jamuna returned and found the door locked from inside she entered her house through neighbour Ramesh's rooftop and found her daughter hanging.

A family dispute is suspected to be the cause of it. Sub-inspector Jainarain Mishra said a probe is on.

मैन्युअल की जानकारी रखकर मिलों को दुर्घटना रहित, दक्षता सहित चलाया जा सकेगा : प्रोफेसर नरेंद्र मोहन

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। मिलों को दुर्घटना रहित, दक्षता सहितचलाने के लिए चीनी मिलों के कुशल संचालन पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा तैयार किए गए मैनुअल को आज संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर शर्करा प्रौद्योगिकी और शर्करा अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे । प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीनी उद्योग में मानव और मशीन की विफलताओं के कारण कुछ गंभीर दुर्घटनाएँ देखी गई । प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और ऑपरेटिंग स्टाफ को मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में उचित ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व कोई विस्तृत मैनुअल उपलब्ध नहीं था इसलिए हमने गन्ने से लेकर चीनी भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव की मानक स्थितियों का वर्णन किया है। इस मैनुअल से चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और किसी भी दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी। मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कहा कि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरत ऑपरेटर हिंदी समझते हैं इसलिए मैनुअल शुरू में हिंदी में तैयार किया गया है किंतु महाराष्ट्र और कर्नाटक में बड़ी संख्या में चीनी इकाइयां होने के कारण मैनुअल के मराठी और कन्नड़ संस्करण भी प्रकाशित किए जाएंगे। जितेन्द्र सिंह, सलाहकार ने मैनुअल को प्रकाशित करने में किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ, यू.पी.शुगर फैक्ट्रीज फेडरेशन लिमिटेड को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

सच की अहमियत हिन्दी दैनिक स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक आशीष श्रीवास्तव द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875 डब्ल्यू-1 साकेत नगर कानपुर से 619/1850 केडीए कालोनी गल्ला मंडी नौबस्ता कानपुर नगर से 208021 से प्रकाशित। सम्पादक: आशीष श्रीवास्तव। समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएंगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी। उपसम्पादक: महेश कुमार, मो.
सह सम्पादक- धीरेन्द्र कुमार सक्सेना, 9918304051, 7850999999, 7068124199, email- sachkiahamiyat@gmail.com

चीनी मिलों में हादसे बचाने के लिए जारी की गाइडलाइन

चीनी मिलों के लिए मैनुअल जारी करते एनएसआई निदेशक नरेंद्र मोहन व अन्य। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

एनएसआई ने तैयार किया मैनुअल गन्ना उगाने से लेकर भंडारण तक की प्रक्रिया बताई

कानपुर। चीनी मिलों में हादसे बचाने और दक्षता से चलाने के लिए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने मैनुअल तैयार किया है। इसमें खेत में गन्ना उत्पादन से लेकर मिलों में भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव के मानकों के संबंध में बताया गया है। मैनुअल गुरुवार को जारी किया गया।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में चीनी उद्योग में मानव चूक और मशीन की विफलताओं के कारण गंभीर दुर्घटनाएं देखी गई हैं। ऑपरेटिंग स्टाफ को मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में उचित ज्ञान होना आवश्यक है। इससे पूर्व कोई विस्तृत मैनुअल उपलब्ध नहीं था। इसलिए गाइडलाइन बनाई गई है। सहायक निदेशक (राजभाषा) मल्लिका द्विवेदी ने बताया कि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरत ऑपरेटर हिंदी समझते हैं, इसलिए मैनुअल शुरू में हिंदी में तैयार किया गया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में बड़ी संख्या में चीनी इकाइयां होने के कारण मैनुअल के मराठी और कन्नड़ संस्करण भी प्रकाशित किए जाएंगे।

चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और किसी भी दुर्घटना से बचने में मिलेगी मदद

आज का कानपुर

कानपुर । मिलों को दुर्घटना रहित, दक्षता सहित चलाने के लिए चीनी मिलों के कुशल संचालन पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा तैयार किए गए मैनुअल को संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन द्वारा जारी किया गया। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीनी उद्योग में मानव और मशीन की विफलताओं के कारण कुछ गंभीर दुर्घटनाएँ देखी गई हैं। प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और ऑपरेटिंग स्टाफ को मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में उचित ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व कोई विस्तृत मैनुअल उपलब्ध नहीं था इसलिए हमने गन्ने से लेकर चीनी भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव की मानक स्थितियों का वर्णन किया है। इस मैनुअल से चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और किसी भी दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी। मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कहा क्योंकि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरत ऑपरेटर हिंदी समझते हैं इसलिए मैनुअल शुरू में हिंदी में तैयार किया गया है किंतु महाराष्ट्र और कर्नाटक में बड़ी संख्या में चीनी इकाइयां होने के कारण मैनुअल के मराठी और कन्नड़ संस्करण भी प्रकाशित किए जाएंगे वहीं जितेन्द्र सिंह, सलाहकार ने मैनुअल को प्रकाशित करने में किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ, यू.पी. शुगर फैक्ट्रीज़ फेडरेशन लिमिटेड को विशेष रूप से धन्यवाद दिया इस अवसर पर शर्करा प्रौद्योगिकी और शर्करा अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

चीनी मिलन की घटनाओं को रोकने के लिए एनएसआई ने जारी किया मैनुअल

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। शुगर मिलों में काम के दौरान होने वाली आकस्मिक घटनाओं को रोकने के लिए एनएसआई ने मैनुअल जारी किया है। नेशनल शुगर ऑफ इंस्टिट्यूट के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि इस मैनअल के मुताबिक काम करने वाले व्यक्तियों को काफी सहूलियत मिलेगी ताकि वह मशीन को ठीक से ऑपरेट कर सकें। उनका मानना है कि इस व्यवस्था से शुगर मिलों में होने वाली घटनाओं में भी तेजी से कमी आएगी। उन्होंने कहा कि शुगर मिलों में काम करने वाले लोगों को अधिकांश हिंदी भाषा का ज्ञान होता है इसलिए उन्हें मशीन ऑपरेट करने में दिक्कत होती है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा इस सिस्टम के तहत वह मशीन को आसानी से ऑपरेट कर सकेंगे। इंस्टिट्यूट की सहायक निदेशक मल्लिका द्विवेदी द्विवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी कई शुगर मिले हैं इसलिए वहां के कर्मचारियों के लिए मराठी व कन्नड़ भाषा का भी ख्याल रखा गया है इन प्रदेशों में शुगर मिलों लगी मशीनों को ऑपरेट करने के लिए उनके स्थानीय भाषा का इस्तेमाल किया गया है ताकि वहां के कर्मचारी स्थानीय भाषा को समझकर मशीन को ऑपरेट कर सकें। सलाहकार जितेंद्र सिंह ने इंस्टिट्यूट के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-सा द यूपी शुगर मिल एसोसिएशन के पदाधिकारी को भी धन्यवाद दिया है। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र मोहन यादव ने किया।

चीनी मिलों के कुशल संचालन पर मैनुअल किया जारी

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने एक मैनुअल जारी कर चीनी मिलों को दुर्घटना रहित ढंग से संचालित करने के टिप्स दिये हैं। मैनुअल, संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन व अन्य संकाय के सदस्यों ने संयुक्त रूप से जारी किया।

यह मैनुअल चीनी मिलों को दुर्घटना रहित और दक्षता सहित चलाने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा तैयार किया गया है। मैनुअल को जारी करते हुए प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीनी उद्योग में मानव व मशीन की विफलताओं के चलते कुछ गंभीर दुर्घटनाएं घटित हुयीं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी बदल रही है और ऑपरेटिंग स्टाफ को चीनी मिलों को संचालित करने के लिये 'मानक संचालन प्रक्रियाओं' के बारे में समुचित ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व चीनी मिलों के दुर्घटना रहित संचालन को लेकर कोई मैनुअल उपलब्ध नहीं था। संस्थान ने गन्ने से लेकर चीनी भंडारण तक की प्रक्रियाओं और रखरखाव का वर्णन करते हुए मैनुअल तैयार किया है। इस मैनुअल से चीनी उद्योग को अपने कामकाज में सुधार करने और दुर्घटना से बचने में मदद मिलेगी। सहायक निदेशक राजभाषा मल्लिका द्विवेदी ने कहा कि अधिकांश चीनी मिलों में कार्यरत ऑपरेटर हिंदी समझते हैं, इसलिये यह मैनुअल हिंदी में तैयार किया गया है। वहीं महाराष्ट्र व कर्नाटक में भी बड़ी संख्या में चीनी मिलें होने के कारण मैनुअल को मराठी व कन्नड़ भाषाओं में भी तैयार किया जायेगा। यहां जितेन्द्र सिंह व महेन्द्र कुमार यादव आदि थे।